जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 252 प्रभात कोटा, गुरूवार 26 जून, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस शशि थरूर के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करेगी

कांग्रेस शशि थरूर को ''शहीद'' का दर्जा नहीं देना चाहती, उनके खिलाफ कार्यवाही करके

- कांग्रेस ने महसूस किया कि जनता में थरूर के बारे में छवि यह है कि थरूर पार्टी के लिए एक ''एसैट'' हैं और कांग्रेस उनके खिलाफ कार्यवाही करके बड़ी गलती करेगी।
- वैसे भी थरूर हाल ही में राहुल गांधी से मिले और अपनी तरफ से सारे शिकवे शिकायतें दूर कीं और यह निर्णय हुआ कि जो बीत गई, वो बात गई, अब इस पर आगे चर्चा नहीं होगी।
- पर, कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, जैसे, खड़गे अभी भी थरूर से खुश नहीं हैं।
- खड़गे ने यह कहकर लीपा पोती की कि सीडब्ल्युसी में 34 सदस्य हैं और उनमें से कईयों का अपना मत और सोच कई मुद्दों पर अलग है और यह थरूर पर भी लागू होता है।
- पर, खड़गे ने कटाक्ष भी किया, कईयों के लिए देश पहले आता है, पर, कईयों के लिए मोदी उससे भी ऊपर आते हैं। उनका इशारा थरूर की ओर था, जो मोदी की तारीफ करने में राष्ट्र प्रेम को भी पीछे छोड़ देते हैं।
- अमित शाह ने भी मोदी को सलाह दी है कि थरूर को पार्टी में न लें, क्योंकि वे दूसरे सुब्रमण्यम स्वामी साबित होंगे।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्युसी) सदस्य शशि थरूर के खिलाफ कोई कार्रवाई करने की योजना नहीं बना रही है।

माना जा रहा है कि पार्टी उन्हें ''शहीद'' नहीं बनाना चाहती, क्योंकि आम धारणा यह है कि शशि थरूर पार्टी के लिए एक संपत्ति (असैट) हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई करना कांग्रेस के लिए आत्मघाती कदम होगा।

सूत्रों के मुताबिक, शशि थरूर की राहुल गांधी से भेंट हुई थी, जहां कई मुद्दों पर बातचीत कर मामला सुलझा लिया गया। राहुल गांधी ने माना कि जो बीत गया, उसे भुला दिया जाना चाहिए और अब इस मुद्दे पर और कुछ कहने की जरूरत नहीं है।

लेकिन शशि थरूर लगातार नरेन्द्र मोदी के समर्थन में बयान दे रहे हैं, जिससे पार्टी के कुछ नेता नाराज़ और असहज हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने भाजपा द्वारा आपातकाल की 50वीं वर्षगाँठ को उठाने की आलोचना की। हालांकि कॉन्फ्रेंस में कई मुद्दों पर बात हुई, लेकिन मीडिया का ध्यान केरल से वरिष्ठ नेता शशि थरूर पर केन्द्रित रहा और उनसे जुडे कई सवाल पूछे गए।

खड़गे ने इस मुद्दे से बचने की कोशिश की और कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति में 34 सदस्य हैं और कई मुद्दों पर सभी की अलग-अलग राय हो सकती है, और यह बात थरूर पर भी लागू होती है।

उन्होंने मजाकिया लहज़े में कहा कि थरूर की अंग्रेज़ी बहुत अच्छी है, जबकि उनकी (खड़गे) काफी खराब है, और यह अच्छी बात है।

हालांकि खड़गे ने एक घुमावदार टिप्पणी करते हुए यह भी कहा कि कई लोगों के लिए पहले देश आता है, लेकिन कुछ के लिए मोदी पहले आते हैं।

इसे थरूर पर तंज के रूप में देखा जा रहा है, उनके द्वारा राष्ट्रीय कर्तव्य पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग के अपहरण एवं दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

जयपुर, 25 जून। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ करीब एक माह तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त मनीष को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 24 वर्षीय इस अभियुक्त पर 1.75 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी केसी अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने नाबालिग के साथ उसकी मर्जी के बिना संबंध बनाए हैं। लेकिन यदि इसमें नाबालिग की सहमति भी होती तो भी

- जिले की पॉक्सो अदालत ने आरोपी मनीष पर 1.75 लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया।

यह अपराध की श्रेणी में माना जाता, क्योंकि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक कमलेश शर्मा ने बताया पीड़िता के ताऊ ने 20 सितंबर, 2021 को सरुंड थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया कि उसकी 17.5 साल की भतीजी 17 सितंबर को कोटपूतली स्थित कॉलेज गई थी, लेकिन वहां से वापस नहीं लौटी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय मूल के ममदानी न्यूयॉर्क के मेयर पद के लिए प्रत्याशी होंगे

डैमोक्रेटिक पार्टी के ज़ोहरान ममदानी ने यह दावेदारी अपनी ही पार्टी के सशक्त प्रत्याशी और पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराकर जीती है

- ज़ोहरान ममदानी का जनसमर्थन इतना भारी था कि कुओमो ने प्रचार के बीच में ही अपनी हार स्वीकार कर ममदानी को बधाई दे दी थी।
- ज़ोहरान ममदानी विख्यात फिल्म निर्माता मीरा नायर और भारतीय मूल के युगांडा के लेखक महमूद ममदानी के पुत्र हैं।
- ज़ोहरान ममदानी नवम्बर में अगर मेयर का चुनाव जीते तो न्यूयॉर्क का मेयर बनने वाले वे न केवल पहले भारतीय होंगे बल्कि पहले मुस्लिम भी होंगे।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। एक चौंकाने वाली और आश्चर्यजनक जीत के अन्तर्गत, भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद ज़ोहरान क्वामे ममदानी ने डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राथमिक चुनाव में पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हरा दिया। अब वे नवंबर में न्यूयॉर्क सिटी मेयर चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार को चुनौती दे सकेंगे।

ममदानी, जो प्रसिद्ध भारतीय फिल्म निर्माता मीरा नायर और भारतीय मूल के युगांडा के लेखक महमूद ममदानी के पुत्र हैं, को मंगलवार रात डेमोक्रेटिक मेयरल प्राइमरी में विजेता घोषित किया गया।

ममदानी ने ''एक्स'' पर एक पोस्ट में कहा, ''नेल्सन मंडेला के शब्दों में, कोई भी काम सदैव ही तभी तक असंभव लगता है, जब तक उसे कर न लिया जाये। मेरे दोस्तो, यह काम हो चुका है। और आप वे लोग हैं, जिन्होंने इसे किया। मुझे न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद के लिए आपका डेमोक्रेटिक नामांकित उम्मीदवार होने पर गर्व है।''

ममदानी 18 अक्टूबर, 1991 को कंपला, युगांडा में पैदा हुए थे और न्यूयॉर्क सिटी में पले-बढ़े। वे सात साल की उम्र में अपने माता-पिता के साथ न्यूयॉर्क चले आए थे। उनकी मां मीरा नायर की ''मॉनसून वेडिंग'' और ''सलाम बॉम्बे'' जैसी फिल्में काफी सराही गई हैं।

ममदानी, जो क्वींस से राज्य विधानसभा के सदस्य और मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट उम्मीदवार हैं, का विवाह सीरिया में पैदा हुई ब्रुकलिन-निवासी कलाकार रमा दुआजी के साथ हुआ।

अमेरिकी सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने ममदानी और जमीन से जुड़े उनके हजारों समर्थकों को उनके इस ''असाधारण अभियान'' के लिए बधाई दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

12 दिन का युद्ध तो रूका, पर बार-बार सीज़फायर का उल्लंघन हुआ

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 23 जून को सोशल मीडिया पर ईरान-इज़रायल के सीज़फायर की घोषणा की थी

- 24 जून को दोनों पक्षों ने सीज़फायर का उल्लंघन किया। हालांकि, ट्रंप के दखल के बाद दोनों पक्षों ने हमले रोक दिए।
- सीज़फायर के कारण ना केवल कच्चे तेल के दाम कुछ घटे, बल्कि अमेरिकन शेयर बाज़ार में भी उछाल आया।
- मध्य एशिया में फिलहाल तनाव में कुछ ही कमी आई है, पर, अभी भी संदेह है कि सीज़फायर कभी भी तोड़ा जा सकता है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। 23 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि ईरान और इज़रायल ''पूर्ण और चरणबद्ध युद्धविराम'' पर सहमत हो गए हैं, जिसके तहत ईरान 6 घंटे के लिए हमले रोकेगा। इसके बाद इज़रायल 12 घंटे के लिए हमले रोकेगा और 24 वें घंटे तक इस ''12 दिनों के युद्ध'' का पूर्ण अंत होगा।

युद्धविराम की स्थिति और उल्लंघनः

25 जून तक युद्धविराम कायम रहा, लेकिन शुरुआत से ही यह बेहद नाज़ुक थाः ईरान और इज़रायल दोनों ने कुछ ही घंटों के भीतर मिसाइलें और हमले शुरु किए, जिससे ट्रंप ने सार्वजनिक रुप से दोनों पक्षों को फटकारते हुए कहा कि वे ''पता नहीं, वे क्या बकवास कर रहे हैं।''

इज़रायल ने दावा किया कि 24 जून को ईरान ने उसकी हवाई सीमा में मिसाइलें दागीं; ईरान ने बड़े उल्लंघनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

साल में दो बार सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा होंगी

नई दिल्ली, 25 जून। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा अगले साल से दो बार होगी। सीबीएसई की मंजूरी के बाद अब शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। सीबीएसई ने 2026 से साल में दो बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दे दी है। यह जानकारी परीक्षा नियंत्रक संयम

- सीबीएसई ने 2026 के लिए परीक्षा कैलेंडर जारी कर यह घोषणा की।

भारद्वाज ने दी है।

पहले फेज की परीक्षा फरवरी में शुरू होगी, 17 फरवरी 2026 से ये परीक्षाएं शुरू होगी और 7 मार्च तक खत्म हो जाएंगी। रिजल्ट की संभावित तारीख 20 अप्रैल 2026 तय की गई है, हालांकि रिजल्ट की तारीखों में बदलाव हो सकता है। वहीं, दूसरे फेज की परीक्षा 5 मई 2026 से शुरू होगी और 20 मई तक खत्म हो जाएगी। रिजल्ट की तारीख 30 जून 2026 है। सीबीएसई की पूरी डिटेल्स डेटशीट एग्जाम से कुछ दिन पहले जारी की जाएगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अधिकांश अमेरिकावासी ईरान पर बमबारी से सहमत नहीं

सीएनएन-एसएसआरएस के नवीनतम सर्वे के अनुसार, अमेरिकावासी न केवल ''एयर स्ट्राइक'' के खिलाफ हैं, बल्कि, उन्हें इस बात पर भी शुबहा है कि उनका राष्ट्रपति युद्ध व शांति के बारे में सही निर्णय ले सकता है

- 58 प्रतिशत अमेरिकावासी यह भी मानते हैं कि एयर स्ट्राइक से ईरान, अमेरिका के लिए ज्यादा बड़ा खतरा हो गया है।
- 32 प्रतिशत अमेरिकी यह भी मानते हैं कि अमेरिका ने गंभीर कूटनीतिक प्रयास किये थे, एयर स्ट्राइक को अंजाम देने से पहले।
- इन सबका नतीज़ा यह है कि अमेरिकी जनता ने यह माँग की, राष्ट्रपति के युद्ध के निर्णय व कमिटमैंट के ऊपर ''चैक'' (नियंत्रण) होना चाहिए तथा ट्रंप को अमेरिका की कांग्रेस से इज़ाजत लेने की आवश्यकता होनी चाहिए, कोई भी ''मिलिटरी एक्शन'' लेने से पहले। इस माँग को ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के 39 प्रतिशत सदस्यों का भी समर्थन प्राप्त है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। एक नया सीएनएन-एसएसआरएस का एक सर्वेक्षण दिखाता है कि अधिकांश अमेरिकी न केवल ईरान पर सैन्य कार्रवाई को अस्वीकार करते हैं, बल्कि युद्ध और शांति के मामलों में राष्ट्रपति के निर्णय पर भी गहरा अविश्वास रखते हैं।

ईरान हमले को शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा था। लेकिन इसके बजाय, यह जन आक्रोश की लहर को जन्म दे गया। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का ईरान पर हवाई हमले शुरू करने का फैसला खाड़ी क्षेत्र में आसमान को तो रोशन कर गया, लेकिन अमेरिका में माहौल जश्न का नहीं बल्कि चिंता और विरोध का रहा।

सीएनएन-एसएसआरएस के इस नए सर्वेक्षण के अनुसार, 56 प्रतिशत अमेरिकी इन हवाई हमलों का विरोध करते हैं, और उनमें से अधिकांश तो बहुत कड़ा विरोध जता रहे हैं। ईरान पर हमले के प्रति समर्थन अपेक्षाकृत कमजोर है। यह समर्थन भी अत्यधिक राजनीतिक रूप से विभाजित हैः 82 प्रतिशत रिपब्लिकन हमलों का समर्थन करते हैं, लेकिन उनमें से भी कम से कम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान से भारत एवं नेपाल के 300 लोगों को दिल्ली लाया गया

नयी दिल्ली, 25 जून। 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत ईरान से बुधवार को भारत एवं नेपाल के 300 लोगों को दिल्ली लाया गया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर जानकारी दी कि आज शाम साढ़े चार बजे मशहद से नयी दिल्ली पहुंची एक

- ऑपरेशन सिंधु के तहत अब तक 3154 भारतीय नागरिकों को ईरान से भारत लाया गया है।

विशेष उड़ान से 296 भारतीय और चार नेपाली नागरिकों को ईरान से लाया गया।

प्रवक्ता के अनुसार ऑपरेशन सिंधु तहत अब तक 3154 भारतीय नागरिकों को ईरान से घर लाया जा चुका है।

केरल के नीलांबुर उपचुनाव के नतीजे ने भी थरूर के बारे में कांग्रेस की दुविधा खत्म की?

कांग्रेस ने यह सीट मार्क्सवादी पार्टी से, ग्यारह हजार मतों से जीत कर छीन ली

- यह सीट कांग्रेस ने तिरुवनंतपुरम के सांसद थरूर की ''नाराज़गी'' व हिस्सेदारी नहीं होने के बावजूद जीती है।
- थरूर ने इस चुनाव में कतई भाग नहीं लिया था, क्योंकि उन्हें किसी पार्टी की रैली या आमसभा को संबोधित करने के लिए ''आमंत्रित'' नहीं किया गया था।
- थरूर विरोधी खेमे का कहना है, इस जीत ने थरूर के केरल में प्रभाव की पोल खोल दी।
- केरल में कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं को इस बात की खुशी है कि थरूर के पार्टी को ''डैमेज पोटैशियल'' (हानि पहुँचाने की क्षमता) को खोखला साबित कर दिया है तथा अब वे उनकी अवहेलना खुलकर कर सकते हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जून। नीलांबुर उपचुनाव की जीत के साथ, अब शायद कांग्रेस शशि थरूर से जुड़ी इस विवादास्पद गाथा को पीछे छोड़ कर आगे बढ़ सकती है और आने वाले चुनौतीपूर्ण पंचायत और विधानसभा चुनावों पर ध्यान केन्द्रित कर सकती है।

केरल के नीलांबुर उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत ने राज्य की राजधानी से लोकसभा सांसद और हाई-प्रोफाइल असंतुष्ट नेता शशि थरूर की राजनीतिक स्थिति लगभग तय कर दी है। तिरुवनंतपुरम के सांसद थरूर ने यह कहकर प्रचार से दूरी बना ली थी कि उन्हें किसी भी रैली को संबोधित करने के लिए निमंत्रित नहीं किया गया। इसके बावजूद कांग्रेस ने यह सीट जोरदार अंदाज़ में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) अर्थात माकपा से छीन ली और 11,000 से अधिक वोटों के अंतर से जीत दर्ज की।

यह परिणाम कांग्रेस के लिए एक बड़ा मनोबलवर्धक संकेत है, खासकर ऐसे समय में जब अगले साल राज्य में अहम विधानसभा चुनाव होने हैं, जिनमें कांग्रेस को अपनी हार की श्रृंखला को तोड़ने और सत्ता में वापसी की उम्मीद है।

यह फैसला केरल में ''थरूर प्रभाव'' को लेकर चली आ रही आशंकाओं को भी शांत करता है, जिस वजह से कांग्रेस नेतृत्व अब तक उन्हें लेकर सतर्कता बरत रहा था- भले ही उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से करीबी दिखाई हो और पार्टी के साथ अपने ''वैचारिक मतभेद'' को खुले तौर पर स्वीकार किया हो।

हालांकि, एक जीत से पूरे राज्य में सफलता की गारंटी नहीं मिलती। नीलांबुर में जीत का मतलब यह नहीं कि कांग्रेस केरल की जटिल जनसांख्यिकीय राजनीति में आगे भी बढ़त बना पाएगी। अगली बड़ी चुनौती वर्ष के अंत में होने वाले पंचायत चुनाव हैं।

पांच साल पहले, सीपीआई (एम) नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे ने इन चुनावों में जबरदस्त प्रदर्शन किया था, जिससे विधानसभा चुनावों में उन्हें लगातार दूसरी जीत मिली।

वाम लोकतांत्रिक मोर्चा कोई कमज़ोर प्रतिद्वंदी नहीं है, और नीलांबुर में आंकड़े दर्शाते हैं कि एक बागी उम्मीदवार द्वारा वोट काटे जाने के बावजूद वाम मोर्चा ने कड़ी टक्कर दी। ऐसे में कांग्रेस केवल नीलांबुर की सफलता के भरोसे नहीं बैठ सकती और उसे उपचुनाव में दिखी सत्ता विरोधी लहर पर पूरी तरह निर्भर रहना खतरनाक हो सकता है, पहले पंचायत चुनावों और फिर विधानसभा मुकाबले के लिए।

हालांकि, नीलांबुर में मिली इस सफलता ने कांग्रेस की भविष्य की राजनीतिक रणनीतियों में शशि थरूर की प्रासंगिकता को कम कर दिया है। पार्टी के भीतर यह विश्वास मजबूत हो रहा है कि थरूर अब नुकसान पहुंचाने की स्थिति में नहीं हैं और आगे चलकर उन्हें नजरअंदाज़ किया जा सकता है।

धर्मशाला में बारिश से भारी तबाही

हिमाचल, 25 जून। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। कुल्लू के बाद, अब धर्मशाला में स्थिति गंभीर हो गई है। बुधवार को खनियारा में मनूनी खड्ड का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिसके कारण इंदिरा प्रियदर्शनी जल विद्युत परियोजना में कार्यरत करीब 25 मजदूरों के बह जाने की आशंका है। अब

- इंदिरा प्रियदर्शिनी जल विद्युत परियोजना के 25 मजदूर बाढ़ में बह गए, दो के शव मिले हैं।

तक दो शव बरामद हुए हैं, लेकिन उनकी पहचान नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार, बारिश के कारण परियोजना का काम बंद था, और सभी मजदूर अस्थायी शेडों वाली मजदूर कॉलोनी में थे। अचानक मनूनी खड्ड और नाले का पानी कॉलोनी की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)